सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 29 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 1 मार्च, 2024
मूल्य ₹ 3/-

ऐसे जियो जैसे कि तुम कल मरने वाले हो। ऐसे सीखो की तुम हमेशा के लिए जीने वाले हो।

-महात्मा गांधी

केएल राहुल बाहर, बुमराह की हुई... 7 | चुनाव आने को है मतदाताओं की... 3 | धोखा देने वाले विधायकों को जनता... 2

दलित छात्र की मौत पर यूपी में बवाल

योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

विपक्ष बोला- डबल इंजन सरकार जंगलराज की गारंटी है

» बीजेपी और मोदी मीडिया मिल कर 'झूठ का कारोबार' कर रहे : राहुल

» सिलईबड़ा गांव में तनावपूर्ण शांति, पुलिस-पीएसी तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के रामपुर में एक दलित छात्र की मौत के मामले पर राजनीति गरमा गई है। विपक्षी दल बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि कानून व्यवस्था को दुरुस्त कहने वाली योगी सरकार का असली चेहरा सामने आ गया है। राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी और मोदी मीडिया मिल कर कैसे 'झूठ का कारोबार' कर रहे हैं, उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था उसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कहीं पेड़ से लटके नाबालिग बहनों के शव, तो कहीं

इंटों से कुचल कर हत्या की वारदात। कहीं भाजपाइयों द्वारा आईआईटी-बी॥ कैंपस में गैंग रेप का दुस्साहस, तो कहीं न्याय न मिलने पर आत्महत्या को मजबूर महिला जज, ये उस प्रदेश का हाल है जिसकी कानून व्यवस्था का गुणगान करते मोदी मीडिया थकता नहीं है। हाल ही में रामपुर में अंबेडकर स्मारक की मांग पर 10वीं की परीक्षा देकर लौटते दलित छात्र की हत्या यूपी की जर्जर कानून व्यवस्था का सबसे वीभत्स उदाहरण है।

मिलक क्षेत्र के सिलाई बड़ा गांव में बृहस्पतिवार को तनावपूर्ण शांति रही। पीएसी सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। अंत्येष्टि के अगले दिन गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि, पीड़ित पक्ष के लोगों में घटना को लेकर आक्रोश है। पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के लिए राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के लोगों का तांता लगा रहा। भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस सहित कई पार्टियों के नेताओं ने गांव पहुंचकर परिजनों से मामले की जानकारी ली।

शराब पिलाकर नाबालिग बहनों से गैंगरेप

कानपुर के घाटमपुर इलाके से शर्मनाक वारदात सामने आई है। यहां कोतवाली के एक गांव में बुधवार रात पेड़ से लटककर जान देने वाली फुफेरी बहनों ने भट्ठा ठेकेदार के बेटे और भांजे की करतूत से तंग आकर यह खौफनाक कदम उठाया है। मंगलवार को दोनों युवकों ने उन्हें बहाने से शराब पिलाई और दरिंदगी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने इस कृत्य का वीडियो भी बना लिया। जानकारी के बाद परिजनों ने विरोध किया तो ठेकेदार ने दोनों किशोरियों और परिवार की पिटाई, साथ ही वीडियो वायरल करने की धमकी दी। आहत दोनों किशोरियां एक ही दुपट्टे से फंदा लगाकर लटक गईं। पुलिस ने ठेकेदार, उसके बेटे व भांजे के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, मारपीट, धमकी, पाक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया है।

उत्तर प्रदेश में दलितों का दमन चरम पर : चंद्रशेखर

एक सोशल मीडिया पोस्ट में चंद्रशेखर ने लिखा- आज फिर से हाथरस याद आ रहा है, उत्तर प्रदेश में दलितों का दमन चरम पर है। रामपुर में भाई सोमेश की पुलिस द्वारा गोली मार कर हत्या कर दी गयी है, कई लोग घायल है लेकिन पुलिस मुझे सम्भल में रोक कर खड़ी है। क्या अब मैं अपने पीड़ित परिवार से भी नही मिल सकता हूं। उन्होंने लिखा- सच मे उत्तरप्रदेश बदल गया है अब दलितों की हत्या के लिये अपराधियों की जरूरत नही है योगी जी की पुलिस ही बहुत है। जितनी पुलिस लगानी है लगा लो मुझे रोकने के लिये, मैं जाऊंगा और जरूर जाऊंगा।

चुनाव से पहले क्यों भेजा नोटिस : अखिलेश

» बोले- सीबीआई को पूछताछ में दूंगा सहयोग

» लखनऊ में या वीडियो कांफ्रेंसिंग से बयान देने पर राजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव खनन घोटाले में सीबीआई के सम्मन पर बृहस्पतिवार को जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। हालांकि उन्होंने सीबीआई को पत्र के जरिए जवाब भेजा है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने सीबीआई को जांच में सहयोग करने का आश्वासन देने के साथ सवाल किया कि आखिर उन्हें चुनाव से पहले नोटिस क्यों भेजा गया? उन्होंने लखनऊ में अथवा वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज करने की बात लिखी है।

सीबीआई को जवाब भेजने की पुष्टि अखिलेश ने खुद भी की है। सूत्रों के मुताबिक अखिलेश ने सीबीआई को भेजे पत्र में सवाल उठाया कि उन्हें चुनाव से पहले नोटिस क्यों भेजा गया है। वर्ष 2019 के बाद पांच साल तक उनसे कोई जानकारी क्यों नहीं मांगी गई? सीबीआई आखिरकार उनसे इस मामले में क्या जानकारी हासिल करना चाहती है, जिसके लिए उन्हें बतौर गवाह बुलाया गया है। अखिलेश ने कहा कि सीबीआई का कागज आया था, मैंने जवाब भेज दिया गया है।

लखनऊ आ सकती है जांच टीम

बता दें कि सीबीआई ने अखिलेश यादव को बतौर गवाह बुलाया है, इसलिए वह लखनऊ में आकर पूछताछ कर सकती है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज होना मुश्किल माना जा रहा है। जानकारों की मानें तो सीबीआई अखिलेश को 15 दिन बाद फिर से नोटिस देकर तलब कर सकती है। इसके बावजूद यदि वह दिल्ली जाकर जांच एजेंसी को अपना बयान नहीं देते है तो जांच अधिकारी लखनऊ आकर उनका बयान दर्ज कर सकता है। उनके बयान में अगर सीबीआई को कोई नया तथ्य हाथ लगा तो इस मामले की जांच नया मोड़ ले सकती है। सूत्रों की मानें तो अखिलेश से खनन पट्टों के आवंटन को लेकर पंचम तल पर किए गये फैसलों के बारे में सवाल पूछे जाने हैं।

हिमाचल में अभी नहीं टला कांग्रेस की सुक्खू सरकार का संकट

» बागियों के संपर्क में कई विधायक

» प्रियंका गांधी ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल में राज्य सभा चुनाव के दौरान हुए क्रॉस वोटिंग के बाद कांग्रेस उम्मीदवार की हार से शुरू हुआ सियासी उठापटक अब भी जारी है। हालांकि कांग्रेस नेता प्रियंका के हस्तक्षेप के बाद वहां की कांग्रेस सरकार का संकट तत्काल तो टल गया पर अभी मामला में पेंच फंसा हुआ है। हालांकि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व नजर रखे हुए है।

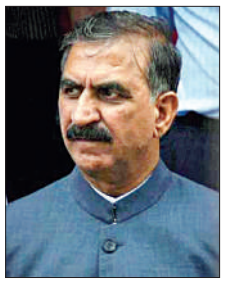

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस सरकार अभी भी खतरे में है। कांग्रेस के कई विधायक बागियों के संपर्क में हैं। गुरुवार (29 फरवरी) को पर्यवेक्षकों के साथ हुई बातचीत नाकाम रही। मुख्यमंत्री बदलने पर विक्रमादित्य सिंह का कैंप और बागियों का खेमा अड़ा हुआ है। मंत्री विक्रमादित्य सिंह गुरुवार को रात 12 बजे पंचकूला पहुंचे। यहां विक्रमादित्य सिंह ने बागी विधायकों से मुलाकात की। जबकि दूसरी प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह ने कहा कि संकट को खत्म मान लेना जल्दबाजी होगी। दरअसल हिमाचल में कुछ दिनों से कांग्रेस में सियासी उठापटक चल रही।

धोखा देने वाले विधायकों को जनता देगी सजा : अखिलेश

» बोले- भाजपा संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने पर आमादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने पर आमादा है। उसकी रणनीति विपक्षी नेताओं को बदनाम और अपमानित करने की है। भाजपा सपा विधायकों को प्रलोभन और पैकेज का लालच देकर तोड़ रही है। जो विधायक धोखा देकर गए हैं, वे धोखेबाज हैं। जब क्षेत्र में जाएंगे, तब जनता इनसे हिसाब करेगी। उन्होंने कहा कि मनोज पांडेय तो डिप्टी सीएम बनने लायक हैं।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में समाजवादी बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, अल्पसंख्यक सभा, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा के दौरान अखिलेश ने कहा कि भाजपा आरक्षण व्यवस्था को तहस-नहस करने पर तुली है। इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की जिम्मेदारी सपा पर है। सभी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं को प्रत्येक सप्ताह के पांच दिन लोकतंत्र को बचाने के लिए देने होंगे। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। महिलाएं, बच्चियां सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं, नौजवान बेरोजगार है। भाजपा ने निवेश और भूमि पूजन के नाम पर झूठे दावे किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री यूपी से चुनकर जाते हैं, लेकिन निवेश गुजरात में

करते है। उद्योगपति यूपी में निवेश को तैयार नहीं है। सपा विधायकों के राम मंदिर नहीं जाने पर अखिलेश ने कहा कि हमने किसी को दर्शन करने से नहीं रोका, लोग झूठी बयानबाजी कर रहे हैं। इस दौरान पूर्व मंत्री राम गोविंद चौधरी एवं राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, विधायक राजेंद्र कुमार के साथ प्रकोष्ठों के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने किसानों, नौजवानों से झूठे वादे किए। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, एमएसपी की गारंटी नहीं दी। सपा सरकार में किसानों का पूरा कर्ज माफ होगा।

किसानों का पूरा कर्ज करेंगे माफ

अखिलेश व शिवपाल के सामने उम्मीदवार उतारेगी ओवैसी की पार्टी

लोकसभा चुनाव 2024 में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भाजपा के अलावा हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का भी सामना करना पड़ेगा। ओवैसी की पार्टी आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) ने प्रदेश की सात सीटों पर प्रत्याशी उतारने का एलान किया है। एआईएमआईएम अखिलेश यादव की संभावित सीट आजमगढ़ पर प्रत्याशी उतारने के साथ ही शिवपाल यादव की बदायूं सीट पर उम्मीदवार उतारेगी। ओवैसी की नजर प्रदेश की मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर है। इसलिए संभल, मुरादाबाद, अमरोहा और मेरठ जैसी सीटों पर प्रत्याशी उतारे जाएंगे। ओवैसी की पार्टी ने इंडिया गठबंधन पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने अभी सात सीटों पर प्रत्याशी उतारने का एलान किया है। सीटों की संख्या आगे की परिस्थितियों को देखते हुए बढ़ाई जाएगी।

पुरानी पेंशन बहाल होगी और नौजवानों को सेना में पूरी नौकरी दी जायेगी। कहा कि भाजपा युवाओं को नौकरी नहीं देना चाहती है, इसीलिए जानबूझकर भर्तियों के पेपर लीक करती है।

गांवों से शहरों में लोगों के पलायन के लिए कांग्रेस जिम्मेदार: गडकरी

» मोदी सरकार ने गांवों, गरीबों, और किसानों की प्रगति को दिया महत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आजादी के बाद गांवों से शहरों की ओर बड़े पैमाने पर लोगों के पलायन के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। वह तेलंगाना में राज्य भाजपा की विजय संकल्प यात्रा में कहा कि हमारे देश में किसानों की स्थिति अच्छी नहीं है। इसका कारण है कि 1947 में जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री बने और कांग्रेस सरकार आई। नेहरू ने हमसे कई वादे किए थे लेकिन आजादी के बाद ग्रामीणों, गरीबों, मजदूरों और किसानों का कल्याण नहीं हो सका। तब गांधीजी कहा करते थे कि हमारी 90 प्रतिशत आबादी गांव में रहती है लेकिन अब महज 65 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है। यह कांग्रेस पार्टी की गलत आर्थिक नीतियों का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 2014 में सत्ता संभालने के बाद से गांवों, गरीबों, मजदूरों और किसानों की प्रगति को महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि नेता अपने भाषणों में कश्मीर से कन्याकुमारी का जिक्र करते थे लेकिन राजग सरकार ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक सड़कें बनाईं। उन्होंने लोगों से युवाओं के लिए नौकरी, किसानों के कल्याण और महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए भाजपा का समर्थन करने की अपील की।

लोकतंत्र का लगातार बीजेपी व जदयू कर रहे अपमान : राबड़ी

» कहा- बागी विधायकों को 10-10 करोड़ रुपये दिए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। महागठबंधन के छह विधायकों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में जाने के बाद बिहार में सियासी घमासान जारी है। एक ओर जहां भाजपा और जदयू के नेता कह रहे हैं कि अभी को खेल शुरू ही हुआ। बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं ने बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा और जदयू पर बड़ा आरोप लगा दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और जदयू के तरफ से उन बागी विधायकों को 10-10 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इतना ही नहीं राबड़ी देवी यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के विधायकों को खरीदने वाली पार्टी बेशर्म हो गई है। ये लोग जोड़-तोड़ की राजनीति कर लोकतंत्र का लगातार अपमान कर रहे हैं। वहीं बागी विधायकों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर इन विधायकों में थोड़ी भी शर्म होती तो सभी इस्तीफा देकर भाजपा और जदयू में शामिल होते। अगले चुनाव में जनता इन्हें जरूर जवाब देगी।

सिपाही भर्ती गड़बड़ी को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस

» बनाई जा रही है रणनीति तैयार हो रही रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सिपाही भर्ती परीक्षा गड़बड़ी मामले को निरंतर धार देगी। वह विभिन्न परीक्षाओं की स्थिति की पड़ताल रिपोर्ट तैयार करेगी और उसे सियासी ढाल बनाएगी। पार्टी की हर छोटी- बड़ी बैठकों में इस मुद्दे को उठाया जाएगा। इसके लिए पिछले पांच साल में प्रदेश में निकली भर्ती और उसकी स्थिति पर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने हर जिले में भर्ती में गड़बड़ी का मामला उठाया था।

उन्होंने बेरोजगारी को मुद्दा बनाते हुए कांग्रेस सरकार बनने पर इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही थी। इस बीच प्रदेश सरकार ने सिपाही भर्ती परीक्षा निरस्त कर दी और शिकायतों की जांच एसटीएफ को सौंप दी है। पार्टी की ओर से प्रदेश में पांच साल के दौरान निकली भर्ती पर बन रही रिपोर्ट में किस परीक्षा में कितने आवेदन आए और कितनी फीस ली गई? परीक्षा की स्थिति, परीक्षा होने के बाद परिणाम की स्थिति आदि बिंदु शामिल होंगे। अब इसके सहारे सरकार को घेरने की तैयारी है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल परिवाद को खारिज करने के मामले में दाखिल की गई निगरानी याचिका में राज्य सरकार को भी पक्षकार बनाया जाएगा। इसकी अनुमति देते हुए एमपीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंश नारायण ने सुनवाई के लिए 11 मार्च की तारीख तय की है। गौरतलब है कि याचिका दायर कर निगरानीकर्ता नृपेंद्र पांडे ने बताया था कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो पदयात्रा के दौरान वीर विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ जानबूझकर अपमानजनक बातें कही थीं।

राहुल प्रकरण में निगरानी याचिका दाखिल

बेरोजगारों की जेब काटी जा रही : अजय राय

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि गरीब बेरोजगार काफी मुश्किल से परीक्षा शुल्क जुटा पाते हैं। सरकार विभिन्न परीक्षाओं में शुल्क लेती है। कई भर्ती सालों से लंबित है तो कुछ के परिणाम जारी नहीं किए गए हैं। इसकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। रिपोर्ट को जनता के बीच रखा जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि किस तरह से बेरोजगारों की जेब काटी जा रही है।

शटर डाउन

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

केंद्र के इशारे पर काम नहीं करने दे रहे एलजी : केजरीवाल

» बस मार्शल मामले पर भड़के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विधानसभा में लगातार दूसरे दिन डीटीसी की बसों से हटाए गए मार्शलों के संबंध में चर्चा हुई। इस दौरान मार्शलों को दोबारा नौकरी पर बहाल करने का संकल्प पास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भाजपा के साथ-साथ उपराज्यपाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर उपराज्यपाल दिल्ली सरकार को कार्य नहीं करने दे रहे है। तत्कालीन उपराज्यपाल सरकार को नए कार्य नहीं करने देते थे, जबकि वर्तमान उपराज्यपाल सरकार के मौजूदा कार्य रोकने में लगे हुए।

वह दिल्ली सरकार के कई कार्य रोक चुके है। केजरीवाल ने कहा कि अधिकारी पहले सही से काम कर रहे थे, मगर अब वे कार्य रोकने में लग गए हैं। दरअसल, भाजपा के इशारे पर उपराज्यपाल ने अधिकारियों को सस्पेंड करने और ईडी पीछे छोड़ने कार्य नहीं करने के निर्देश दिए है। इसका उदाहरण बस मार्शल योजना के तौर पर मिल रहा है। यह योजना वर्ष 2015 से चल रही थी, लेकिन इसे एक नवंबर 2023 से बंद कर दिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि सिविल डिफेंस वालेंटियर्स का बसों में सुरक्षा संभालने का कार्य नहीं है।

चुनाव आने को है मतदाताओं की बढ़ेगी जिम्मेदारी

सरकार से लेकर सियासी दल तक जागरूकता फैलाने में लगे

» अधिकतम मतदान के जरिये ही देश की राजनीति सुधरेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में चुनावी माहौल बनने लगा है। सभी सियासी दल अपने को तैयार करने लगे हैं। सत्ता पर काबिज सियासी दल जहां अपनी रिपोर्ट कार्ड आम जनता के बीच ले जाने लगे हैं और अपनी उपलब्धियों को गिनाकर वोट देने की अपीले करने में जुटे हैं। वहीं विपक्ष सत्ता पक्ष की कमियां बताकर वोट लने की कोशिश में जुटा हे। इन सबके बीच अब आम जन की जिम्मेदारी है कि वह चुनावों के समय घरों से निकले और भारी मात्रा में वोटिंग करे और साफ-सुथरी ऐसी सरकार चुने जो सभी लोगों काख्याल रखे। अधिकतम वोटिंग का वास्तविक उद्देश्य है, जन-जन में लोकतंत्र के प्रति आस्था पैदा करना, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी निश्चित करना, वोट देने के लिए प्रेरित करना। एक जनक्रांति के रूप 'भारतीय मतदाता संगठन' इस मुहिम के लिये सक्रिय हुआ है, यह शुभ संकेत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम से तीन माह के लिए विराम लेते हुए लोकतंत्र के महाकुंभ चुनाव में पहली बार वोटर बने युवाओं से रिकार्ड संख्या में मतदान का आग्रह किया। अधिकतम संख्या में मतदान लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण होने के साथ लोकतंत्र के बलशाली होने का आधार हैं और जनता की सक्रि य भागीदारी का सूचक है।

नेताओं की आलोचना करें पर वोट भी दें

अगले माह लोकसभा चुनाव की संभावित घोषणा और उसके चलते आचार संहिता लागू हो जायेगी। अधिकतम मतदान लोकतंत्र में जन-भागीदारी का अवसर मात्र ही नहीं हैं, बल्कि देश की दशा-दिशा तय करने में आम आदमी के योगदान का भी परिचायक है। अधिकतम मतदान के लिए माहौल बनाने की आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि देश के कुछ हिस्सों में मतदान प्रतिशत अपेक्षा से कहीं कम होता है। विडंबना यह है कि आमतौर पर कम प्रतिशत महानगरों में अधिक देखने को मिलता है। इसका कोई मतलब नहीं कि सरकारों अथवा राजनीतिक दलों के तौर-तरीकों की आलोचना तो बढ़-चढ़कर की जाए, लेकिन मतदान करने में उदासीनता दिखाई जाए। आमतौर पर मतदान न करने के पीछे यह तर्क अधिक सुनने को मिलता है कि मेरे अकेले के मत से क्या फर्क पड़ता है? एक तो यह तर्क सही नहीं, क्योंकि कई बार दो-चार मतों से भी हार-जीत होती है और दूसरे, अगर सभी यह सोचने लगें तो फिर लोकतंत्र कैसे सबल एवं सक्षम होगा? इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी का अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन देने का उपक्रम एवं आह्वान एक क्रांतिकारी शुरुआत कही जा सकती है। इसका स्वागत हम इस सोच और संकल्प के साथ करें कि हमें अपने मतदान से आगामी आम चुनाव में भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण एवं राजनीतिक विसंगतियों पर नियंत्रण करना है।

97 करोड़ मतदाता इस बार डालेंगे वोट

इस बार लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या लगभग 97 करोड़ है, इनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। इसीलिये मोदी ने मतदान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का आह्वान करके एक जागरूक, सक्षम एवं जुझारु राजनेता का परिचय दिया है। अधिकतम मतदान भारतीय लोकतंत्र को अधिक स्वस्थ, सुदृ? एवं पारदर्शी बनाने की एक सार्थक मुहिम है। सभी मतदाताओं को मतदान के प्रति वैसा ही उत्साह दिखाना चाहिए जैसा कुछ समय से महिलाएं दिखा रही हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं से यह भी अपील की कि वे राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनें और राजनीतिक-चर्चाओं को लेकर जागरूक भी रहें। विशेषत: विभिन्न राजनीतिक दलों की लोकलुभावन घोषणाओं एवं चुनावी घोषणा पत्रों पर युवाओं को गहराई से जानकारी हासिल करना चाहिए कि इन घोषणाओं का आधार क्या है, इनके लिये धन कहां से आयेगा? चुनावी तैयारियों का जायजा लेने चेन्नई गए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने इसी बात को उठाते हुए कहा है कि यदि राजनीतिक दलों को अपने घोषणापत्रों में लोकलुभावन वादे करने का अधिकार है तो मतदाताओं को यह जानने का हक भी है कि क्या वे वादे व्यावहारिक हैं और उन्हें लागू करने के लिए धन का प्रबंध कहां से किया जाएगा।

मतदान का औसत प्रतिशत 55 से 90-95 प्रतिशत तक ले जाना चाहिए

अधिकतम मतदान के संकल्प से हमें मतदान का औसत प्रतिशत 55 से 90-95 प्रतिशत तक ले जाना चाहिए, ताकि इस लक्ष्य को हासिल करके हम भारतीय राजनीति की तस्वीर को नया रुख दे सके। मतदान करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और कर्तव्य भी है, लेकिन विडम्बना है हमारे देश की कि आजादी के 77 वर्षों बाद भी नागरिक लोकतंत्र की मजबूती के लिये निष्क्रिय है। ऐसा लगता है जमीन आजाद हुई है, जमीर तो आज भी कहीं, किसी के पास गिरवी रखा हुआ है। अधिकतम मतदान की दृष्टि से नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए एक अलख जगाई थी। अनिवार्य वोट के लिये कानून लागू करना ही होगा और इस पहल के लिये सभी दलों को बाध्य होना ही होगा, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र में यह नई जान फूंक सकती है। अब तक दुनिया के 32 देशों में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था है लेकिन यही व्यवस्था अगर भारत में लागू हो गई तो उसकी बात ही कुछ और होगी और वह दुनिया के लिये अनुकरणीय साबित होगी। यदि ऐसा हुआ तो अमेरिका और ब्रिटेन जैसे पुराने और सशक्त लोकतंत्रों को भी भारत का अनुसरण करना प? सकता है, हालांकि भारत और उनकी परिस्थितियां एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत है। भारत में अमीर लोग वोट नहीं डालते और इन देशों में गरीब लोग वोट नहीं डालते।

बीजेपी देश की सबसे पैसे वाली पार्टी

» कांग्रेस-आप ने कमाई से ज्यादा किए खर्च
» भाजपा की 2,361 करोड़ रुपये की अधिकतम हिस्सेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), एक स्वतंत्र शोध एजेंसी जो राजनीतिक दलों पर नज़र रखती है। एडीआर ने 2022-23 के दौरान छह राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों की आय और व्यय पर एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट जारी की। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। यहां बहुदलीय राजनीतिक व्यवस्था है। राजनीतिक दल चुनाव में जबरदस्त तरीके से खर्च भी करते हैं। इसके अलावा जनता तक अपनी पहुंच बनाने के लिए भी उनकी ओर से खर्च किया जाता है। राजनीतिक दलों की ओर से विज्ञापन भी दिए जाते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल सभी के सामने यही आता है कि आखिर राजनीतिक दलों के पास इतना पैसा आता कहां से है क्योंकि उनका काम तो सिर्फ समाज सेवा है। ऐसे में हम आपको बता दें कि राजनीतिक दलों के पास दान, चुनावी बांड, संपत्ति, बैठकों से योगदान, बैंक का ब्याज और भी ऐसे बहुत सारी चीजें हैं जो उनके लिए आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

भाजपा, कांग्रेस, आप, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और नेशनल पीपुल्स पार्टी - ने लगभग 3,077 करोड़ रुपये की कुल आय अर्जित की है। एडीआर ने कहा कि भाजपा को लगभग 2,361 करोड़ रुपये की अधिकतम हिस्सेदारी मिली, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान छह दलों की कुल आय का 76.73 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, 2021-22 और 2022-23 के बीच, केंद्र में सत्तारूढ़ दल की आय 2021-22 के दौरान 1917.12 करोड़ रुपये से 23.15 प्रतिशत या 443.724 करोड़ रुपये बढ़कर 2022-23 के दौरान 2360.844 करोड़ रुपये हो गई।

कांग्रेस को 452.375 करोड़ रुपये मिले

कांग्रेस 452.375 करोड़ रुपये (14.70 प्रतिशत) के साथ दूसरी सबसे बड़ी प्राप्तकर्ता थी। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की आय - पूर्वोत्तर की एकमात्र पार्टी जिसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त है - वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 47.20 लाख रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 7.562 करोड़ रुपये हो गया, जो 1,502.12 प्रतिशत या 7.09 करोड़ रुपये की वृद्धि है। इसी तरह, की आय वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 44.539 करोड़ रुपये से 91.23 प्रतिशत (40.631 करोड़ रुपये) बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 85.17 करोड़ रुपये हो गई। गौर करने वाली बात यह है कि वित्त वर्ष 2021-22 और वित्त वर्ष 2022-23 के बीच कांग्रेस, सीपीआई (एम) और बीएसपी की आय में 16.42 फीसदी (88.90 करोड़ रुपये), 12.68 फीसदी (20.575 करोड़ रुपये) और 33.14 फीसदी (14.508 करोड़ रुपये) क्रमश: की कमी आई है। इसमें यह भी कहा गया है कि भाजपा ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल आय 2360.844 करोड़ रुपये घोषित की, लेकिन केवल 57.68 प्रतिशत खर्च किया, जो कुल आय का 1361.684 करोड़ रुपये है।

प्रतिबंधित चुनावी बांड से आया सबसे अधिक आय

एडीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 में बीजेपी और आप की कुल आय का लगभग आधा हिस्सा अब प्रतिबंधित चुनावी बांड से आया था। भाजपा ने चुनावी बांड/चुनावी ट्रस्टों से 1294.15 करोड़ रुपये कमाए, जो कुल 2,797.356 करोड़ रुपये के बांड का 55 प्रतिशत से अधिक है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के लिए, चुनावी बांड से आय 53.364 प्रतिशत - 45.45 करोड़ रुपये रही, जबकि कांग्रेस को 171.02 करोड़ रुपये मिले। भाजपा, कांग्रेस और आप ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए चुनावी बांड के माध्यम से दान से राष्ट्रीय दलों की कुल आय का 49.09 प्रतिशत या 1,510.61 करोड़ रुपये एकत्र किए।

बीजेपी ने कमाई का आधे से अधिक खर्च किया

कुल 2,360.84 करोड़ रुपये की आय बताने वाली बीजेपी ने सिर्फ 57.68 फीसदी यानी 1,361.68 करोड़ रुपये ही खर्च किए। छह पार्टियों में से केवल कांग्रेस और आप ने ही वित्तीय वर्ष के दौरान अपनी आय से अधिक खर्च किया। एडीआर रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे पुरानी पार्टी की कुल आय 452.375 करोड़ रुपये थी, जबकि उसने 467.135 करोड़ रुपये खर्च किए, जो 2022-23 के दौरान उसकी कमाई से 3.26 प्रतिशत अधिक है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, जो सितंबर 2022 में तमिलनाडु में शुरू हुई और जनवरी 2023 में जम्मू-कश्मीर में समाप्त हुई, पार्टी को प्रति दिन लगभग 50 लाख रुपये का खर्च आया। इस बीच, की - जो दिल्ली और पंजाब में सत्ता में है - कुल आय 85.17 करोड़ रुपये थी, जबकि उसने 102.051 करोड़ रुपये खर्च किए। वर्ष के लिए इसका व्यय इसकी कुल आय से 19.82 प्रतिशत अधिक हो गया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आखिर कब होगी 50 फीसद की पसंद की सरकार!

क्या हमें यह तथ्य पता है कि पिछले 77 साल में हमारे यहां एक भी सरकार ऐसी नहीं बनी, जिसे कभी 50 प्रतिशत वोट मिले हों। कुल वोटों के 50 प्रतिशत नहीं, जितने वोट पड़े, उनका भी 50 प्रतिशत नहीं। गणित की दृष्टि से देखें तो 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में सिर्फ 20-25 करोड़ लोगों के समर्थन वाली सरकार क्या वास्तव में लोकतांत्रिक सरकार है?

भारत इस तथ्य पर गर्व कर सकता है कि जितने मतदाता भारत में हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं और लगभग हर साल भारत में कोई न कोई ऐसा चुनाव अवश्य होता है, जिसमें करोड़ों लोग वोट डालते हैं लेकिन अगर हम थोड़ा गहरे उतरें तो हमें बड़ी निराशा भी हो सकती है, क्या हमें यह तथ्य पता है कि पिछले 77 साल में हमारे यहां एक भी सरकार ऐसी नहीं बनी, जिसे कभी 50 प्रतिशत वोट मिले हों। कुल वोटों के 50 प्रतिशत नहीं, जितने वोट पड़े, उनका भी 50 प्रतिशत नहीं। गणित की दृष्टि से देखें तो 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में सिर्फ 20-25 करोड़ लोगों के समर्थन वाली सरकार क्या वास्तव में लोकतांत्रिक सरकार है? क्या वह वैध सरकार है? क्या वह बहुमत का प्रतिनिधित्व करती है? आज तक हम ऐसी सरकारों के आधीन ही रहे हैं, इसी के कारण लोकतंत्र में विषमताएं एवं विसंगतियों का बाहुल्य रहा है, लोकतंत्र के नाम पर यह छलावा हमारे साथ होता रहा है। इसके जिम्मेदार जितने राजनीति दल है उतने ही हम भी है। यह एक त्रासदी ही है कि हम वोट महोत्सव को कमतर आंकते रहे हैं। जबकि आज यह बताने और जताने की जरूरत है कि इस भारत के मालिक आप और हम सभी हैं और हम जागे हुए हैं। हम सो नहीं रहे हैं। हम धोखा नहीं खा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने की अपील करते हुए यह सही कहा कि अधिक से अधिक मतदान का मतलब एक मजबूत लोकतंत्र है और मजबूत लोकतंत्र से ही विकसित भारत बनेगा, लेकिन अब ऐसी व्यवस्था एवं तकनीक विकसित करने का भी समय आ गया है जिससे अपने गांव-शहर से दूर रहने वाले वहां जाए बगैर मतदान कर सकें। ध्यान रहे कि ऐसे लोगों की संख्या करोड़ों में है। रोजी-रोटी के लिए अपने गांव-शहर से दूर जाकर जीवनयापन करने वाले सब लोगों के लिए यह संभव नहीं कि वे मतदान करने अपने घर-गांव लौट सकें। यदि सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों के साथ-साथ चुनाव ड्यूटी में शामिल लोगों के लिए वोट देने की व्यवस्था हो सकती है तो अन्य लोगों के लिए क्यों नहीं हो सकती? इस बार ऐसी किसी व्यवस्था के निर्माण के लिए निर्वाचन आयोग के साथ सरकार का भी सक्रिय होना समय की मांग है। इसी से हम अधिकतम मतदान के लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे। अधिकतम वोटिंग का वास्तविक उद्देश्य है, जन-जन में लोकतंत्र के प्रति आस्था पैदा करना, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी निश्चित करना, वोट देने के लिए प्रेरित करना। एक जनक्रांति के रूप 'भारतीय मतदाता संगठन' इस मुहिम के लिये सक्रिय हुआ है, यह शुभ संकेत है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किसानी आय बढ़ने से दौड़ेगा विकास का पहिया

देविंदर शर्मा

ऐसे समय में जब एक गलत सूचना अभियान अपने चरम पर है, मुझे सूझ नहीं रहा कि शुरुआत कहां से करूं। न केवल मुख्यधारा के मीडिया में, बल्कि सोशल मीडिया भी प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ अभद्र शब्दावली, बदनामी और अपमान से भरा हुआ है। ऐसा लग रहा है मानो किसान अचानक विलेन बन गया हो। एक बार देश के नायक के रूप में सम्मानित- फिल्म शीर्षक का इस्तेमाल करें तो हीरो नंबर-1 अब उनके साथ बर्ताव किया जाता है और किसानों के खिलाफ छिपी अवमानना अब खुलेआम है। इसका अधिकांश कारण गलत सूचना अभियान है जिसे मीडिया प्रचारित करता रहता है। यदि मैं गलत नहीं हूं, तो पत्रकार मुझे बताते हैं कि यह बदनामी अभियान काफी हद तक अहस्ताक्षरित नोटों पर आधारित है जो मीडिया व्हाट्सएप समूहों में प्रसारित होते हैं।

मुख्यधारा के मीडिया के बारे में बात करते हुए, हाल ही में मेरा सामना एक पैनलिस्ट से हुआ जो उस समिति का हिस्सा है जिसे एमएसपी को और अधिक प्रभावी बनाने के तरीके पर विचार करने के लिए गठित किया गया है। हम एक टीवी शो में एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने की किसानों की मांग की प्रासंगिकता पर चर्चा कर रहे थे। जिस बात ने मुझे चौंका दिया वह थी अशिष्टता जिसके साथ उन्होंने जवाब दिया, इतना कि उन्होंने किसानों को 'राष्ट्र-विरोधी' कहना शुरू कर दिया। यह जानते हुए भी कि उनकी स्थिति घोर किसान विरोधी है, मुझे नहीं पता कि ऐसे लोगों को एमएसपी समिति में क्यों नामांकित किया जाता है। अन्य सदस्यों पर कोई आक्षेप न लगाते हुए, मेरा मानना? है कि ऐसी अहम समितियों की संरचना का निर्णय करते समय, नीति निर्माताओं को सावधानीपूर्वक उन सदस्यों को चुनना चाहिए जो अंतर्निहित पूर्वाग्रह नहीं रखते हैं। मुझसे अक्सर मीडिया साक्षात्कारों और चर्चाओं में उठाए जाने वाले सवालों का जवाब देने के लिए कहा गया है।

उदाहरण के लिए, जब मुझसे पूछा गया कि एक टीवी एंकर कह रहा है कि अगर किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार दे दिया जाए तो खाद्य मुद्रास्फीति 25 फीसदी बढ़ जाएगी, तो मेरा जवाब था कि हमें इस 'प्रबुद्ध' पत्रकार का आभारी होना चाहिए कि उन्होंने इससे मुद्रास्फीति में 150

फीसदी तक बढ़ोतरी हो जाने की बात नहीं कही। वे यह जानते हुए ही ऐसा कह सकते थे कि वह जो भी कहेंगे उस पर कोई सवाल नहीं उठेगा। एक अन्य सवाल पर कि किसानों के लिए कानूनी एमएसपी पर 10 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा, जिसे देश वहन नहीं कर सकता, मेरा जवाब था कि पहले इसका स्रोत बताएं, और दूसरा कि किसानों के लिए एमएसपी बढ़ाने से भय क्यों है। अभी तक, जिन 23 फसलों पर एमएसपी घोषित किया गया है, प्रभावी रूप से तो उनमें से गेहूं व धान के लिए ही इस्तेमाल किया गया है। कुछ हद तक एमएसपी कपास व दालों के लिए भी लागू हुआ, और वह भी कुछ ही राज्यों में। हाल ही में संसद को सूचित किया गया कि देश में 14 फीसदी किसानों को एमएसपी मिलता है जिसका अभिप्राय है कि 86 फीसदी किसान बाजारों पर निर्भर हैं। यदि बाजार इतने उदार या दयालु होते तो किसान आंदोलन क्यों करते? यह जानते हुए भी कि उन्हें पुलिस के दमन का सामना करना पड़ेगा। किसान किसी मनोरंजन के लिए आंदोलन नहीं कर रहे और विरोध प्रदर्शनों से कोई परपीड़ा का सुख भी नहीं ले रहे। वास्तव में, यह समय है उनकी तर्कसंगत मांगों को हल करने के प्रयास हों। समाज के पिरामिड के निचले तल पर किसान किसी तरह गुजारा कर रहे हैं। इसकी व्याख्या के लिए, मैं कृषि परिवारों के लिए नवीनतम स्थितिजन्य आकलन सर्वेक्षण के निष्कर्षों को दोहराना चाहूंगा। हालिया रिपोर्ट बताती है कि किसान परिवारों की औसत आय 10,218 रुपये है। यदि हम गैर-कृषि गतिविधियों से होने वाली आय को शामिल न करें, तो किसान प्रति दिन औसतन 27 रुपये कमाते हैं। खेती से इतनी कम आय कृषि क्षेत्र में व्याप्त गरीबी के स्तर का संकेत है। और किसी भी स्थिति में, प्रधानमंत्री के सबका साथ सबका विकास के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए, कृषक समुदाय को आर्थिक रूप से उभारना आवश्यक है।

आखिरकार, 50 प्रतिशत के करीब आबादी - लगभग 700 मिलियन - कृषि पर निर्भर है और नीति नियंताओं को यह समझने की ज़रूरत है कि 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते हुए विकास पथ पर चलते हुए, बहुसंख्यक आबादी को पीछे नहीं छोड़ा जा सकता है।

गंभीर संकट बनती वॉयस क्लोनिंग की चुनौती

अली खान

मौजूदा दौर में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक ने सुविधाओं में इजाफा किया है, वहीं इसके गंभीर दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। इन दिनों कृत्रिम मेधा के उपयोग से विकसित वॉयस क्लोनिंग की समस्या काफी गंभीर समस्या बनकर उभर रही है। दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न वॉयस क्लोनिंग डीपफेक के एक नए रूप में सामने आ रही है। भारत सहित पूरी दुनिया में साइबर अपराधी इसका इस्तेमाल पैसे ऐंठने के लिए कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से लोग अपनी पहचान वालों की आवाज तक को कॉपी करने लगे हैं, जिसे एआई वॉयस क्लोनिंग कहते हैं। इसके विकास के साथ-साथ क्राइम भी तेजी से बढ़ रहा है। यह साइबर अपराधियों के लिए एक नया हथियार बन गया है। इसके जरिये किसी को भी आसानी से निशाना बनाकर ठगी की घटना को अंजाम दिया जा सकता है।

साइबर क्राइम करने वाले धोखाधड़ी वाली गतिविधियों को अंजाम देने के लिए क्लोन की गई आवाज का उपयोग करते हैं। जैसे कि वे बैंकों, कंपनियों जैसी विश्वसनीय संस्थाओं के प्रतिनिधि , यहां तक कि पीड़ित के दोस्तों या परिजनों का रूप (आवाज) धारण कर व्यक्तिगत जानकारी या धन चुराने का प्रयास करते हुए कॉल करते हैं या ध्वनि मेल संदेश छोड़ते हैं। ताकि लोगों की भावनाओं पर प्रहार करते हुए घटनाओं को अंजाम दिया जा सके। ऐसे में यह समस्या काफी गंभीर रूप लेती नजर आ रही है। गौरतलब है, मैकएफी की रिपोर्ट के मुताबिक, 69 फीसदी भारतीय वास्तविक मानव आवाज और एआई जनित आवाज के बीच अंतर करने में असमर्थ पाए गए। इसी कारण वॉयस क्लोनिंग के मामले लगातार सुर्खियों में आ रहे हैं। वहीं, द आर्टिफिशियल इम्पोस्टर की रिपोर्ट के मुताबिक, 47 फीसदी भारतीय या तो पीड़ित हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो वॉयस क्लोनिंग ठगी का शिकार हैं। जबकि वैश्विक स्तर पर ऐसे लोगों की संख्या 25 फीसदी है।

इसके अलावा, एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि साल 2022 में साइबर क्राइम के 65893 केस दर्ज किए गए थे। जबकि 2021 में 52974 मामले दर्ज हुए थे। इनमें सबसे अधिक करीब 65 फीसदी मामले धोखाधड़ी के हैं। हैरानी की बात यह है कि आधुनिक होती तकनीक के साथ ठग भी स्मार्ट होते जा रहे हैं। ठगी के परंपरागत तरीकों को छोड़कर ऑनलाइन लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। इनमें सबसे खतरनाक वॉयस क्लोनिंग माना जा रहा है, जिससे ज्यादातर लोग अनजान हैं। बता दें कि वॉयस क्लोनिंग एक एआई तकनीक है जो हैकर्स को किसी की ऑडियो रिकॉर्डिंग लेने, उनकी आवाज पर एआई टूल को प्रशिक्षित करने और उसे फिर से बनाने की सुविधा देती है। इन दिनों वॉयस क्लोनिंग के लिए काफी सारे पेड और फ्री टूल्स या सॉफ्टवेयर हैं, जिनका इस्तेमाल कर आसानी से वॉयस क्लोनिंग की जा सकती है। एक बार जब आप वास्तविक वॉयस रिकॉर्डिंग का पर्याप्त बड़ा डेटा सेट इकट्ठा कर लेते हैं, तो वॉयस क्लोनिंग ऐप इस डेटा को संपादित या परिष्कृत करना शुरू कर देता है। डेटा को अलग-अलग ध्वनि तरंगों में बांटा गया है ताकि एआई इसे समझकर उस पर प्रतिक्रिया कर सके।

एआई फिर इन ध्वनि तरंगों को उनके संबंधित स्वर, भाषा में ध्वनि की सबसे छोटी इकाई के साथ लेबल करता है। ऐसे में, यह समझने की आवश्यकता है कि वॉयस क्लोनिंग के खतरे व्यक्तिगत या आर्थिक जोखिम तक सीमित नहीं हैं। इस एआई तकनीक का बढ़ता दुरुपयोग काफी नुकसानदेह हो सकता है। एआई विशेषज्ञों का मानना है कि नकली वीडियो और ऑडियो से गलत सूचना या फेक न्यूज की लहर पैदा होगी, जिससे दुनिया के कई देशों में अशांति फैल सकती है और लोकतांत्रिक चुनाव बाधित हो सकते हैं। क्योंकि चुनावों के समय नेताओं के भाषणों के इस्तेमाल से वॉयस क्लोनिंग की समस्या बड़े स्तर पर देखने को मिल सकती है। साइबर अपराधी विभिन्न स्रोतों से आवाज के नमूने एकत्र कर सकते हैं, जैसे सोशल मीडिया वीडियो, सार्वजनिक भाषण, यहां तक कि इंटरसेप्ट किए गए फोन कॉल। लिहाजा, आज एआई तकनीक के बढ़ते दुरुपयोग के बीच वॉयस क्लोनिंग की चुनौती से निपटने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों ने वॉयस क्लोनिंग को पहचानने के लिए कुछ उपाय सुझाए हैं। यदि बात करते समय आपके पीछे से अलग तरह का शोर सुनाई पड़े तो इस पर तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए। ऐसा तब होता है जब किसी भीड़भाड़ वाले कमरे में आवाज क्लोन की गई हो। हालांकि तकनीक के विकसित होने के साथ इन संकेतों को पहचानना मुश्किल हो जाएगा। इस तकनीक के प्रति जागरूकता ही आपको बचा सकती है। ऐसी कॉल जिसमें आपसे तुरंत पैसों की मांग की जा रही हो उसे गंभीरता से लें और कॉल करने वाले से ऐसे सवाल पूछें जिसका जवाब कोई वास्तविक व्यक्ति ही दे पाए। साथ ही, हमें डिजिटल फुटप्रिंट के प्रति भी सजग रहना आवश्यक है। इसके अलावा, ऑनलाइन अपलोड की जाने वाली चीजों पर विशेष सतर्कता बरतें। अनचाही कॉल या संदेश से सावधान रहें, विशेष रूप से अज्ञात नंबरों से या अति आवश्यकता का दावा करने वालों से सचेत रहने की जरूरत है। यह कहा जा सकता है कि हमारी जागरूकता ही हमें किसी बड़ी ठगी से बचा सकती है।

वृक्षासन से स्ट्रेस में होगी कमी

परीक्षा के समय बच्चों को स्ट्रेस हो सकता है। वहीं पूरा पूरा दिन बैठकर पढ़ते रहने से उनके शरीर में दर्द भी होने लगता है। ऐसे में मानसिक शांति यानी स्ट्रेस कम करने और शरीर दर्द से राहत दिलाने के लिए वृक्षासन योग का अभ्यास लाभदायक हो सकता है। बच्चों को वृक्षासन योगाभ्यास सुबह करना सही रहता है। रीढ़ की हड्डी मजबूत होती हैं। पैर के स्नायु मजबूत होते है। फ्लैट फीट की समस्या दूर होती हैं। एकाग्रता बढ़ती हैं। साइटिका रोगी के लिए फायदेमंद हैं। वृक्षासन योग करते समय आप का पैर जांघ पर ठीक से रखना चाहिए। पैर के पिछले भाग पर रखना से घुटनों पर दबाव पड़ सकता हैं। वृक्षासन योग आपको खाली पेट करना चाहिए।

अधोमुखश्वानासन करने से सुस्ती होगी दूर

अधोमुखश्वानासन के अभ्यास से शरीर में लचीलापन आता है। स्फूर्ति बढ़ती है और सुस्ती दूर होती है। इस आसन को करने से शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ता है। बच्चों के हाथ और पैरों में भी मजबूती आती है। कई बार बच्चों को पढ़ाई के समय नींद महसूस होती है। इस आसन ने उनके सिर में रक्त संचार बढ़ने से दिमाग में सही तरीके से ऑक्सीजन पहुंचता है और एकाग्रता बढ़ती है। सिरदर्द, अनिद्रा, पीठ दर्द और थकान से राहत दिलाता है। कंधों, हैमस्ट्रिंग, पिंडली और बाजुओं में खिचाव लाता है। अधो मुख श्वानासन पेट के अंगों को उत्तेजित करता है और पाचन में सुधार लाता है। शरीर को सक्रिय करता है।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को कराएं ये योगासन

परीक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य से लेकर दिमाग तेज करने के लिए योगासन लाभदायक है।

बोर्ड परीक्षाएं शुरु होने वाली हैं। ऐसे में लंबे समय से ऑनलाइन कक्षाएं ले रहे कई बच्चे शारीरिक और मानसिक तौर से परीक्षा को लेकर तैयार नहीं होंगे। हो सकता है कि सामाजिक दूरी का पालन करने के कारण बच्चे घर तक ही सीमित रह गए हों और उनमें एग्जाइटी, मूड स्विंग्स, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं या पढ़ाई को लेकर दिक्कतें आ रही हों। लेकिन ऐसी किसी भी परेशानी को बच्चे के उज्जवल भविष्य में रोड़ा न बनने दें। उन्हें आगामी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य से लेकर दिमाग तेज करने और याददाश्त बढ़ाने के लिए योगासन की मदद ले सकते हैं। योग कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से निजात दिलाने में कारगर होता है। ऐसे में कई योगासनों का अभ्यास बच्चों के लिए लाभकारी हो सकता है।

अवसाद व चिंता के लक्षणों को कम करने में योग जरूरी है।

ताड़ासन से एकाग्रता बढ़ेगी

पढ़ाई के लिए एकाग्रता जरूरी है। बच्चों के मन को एकाग्र करने के लिए ताड़ासन योगाभ्यास कराएं। ताड़ासन से बच्चों की ब्रिदिंग कैपेसिटी बढ़ती है। ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में भी ताड़ासन योगाभ्यास मदद करता है। मूड अच्छा होता है और बच्चों की लंबाई भी बढ़ती है। ताड़ासन करने से पाचन तंत्र सही रहता है। कब्ज की समस्या दूर होती है। नियमित अभ्यास से जांघ, टखने और घुटने मजबूत बनते हैं। साथ ही सायटिका के पेन में भी रिलीफ मिलता है। ताड़ासन करने से पोस्चर सुधरता है और रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है। अगर आप पूरे दिन बैठकर काम करते हैं, तो इससे आपकी कमर, हिप्स और थाइज में दर्द हो सकता है।

धनुरासन- पीठ और कमर दर्द से आराम

बच्चे जब लगातार पढ़ाई करते हैं तो पूरा पूरा दिन उन्हें बैठे रहना पड़ता है। जिसके कारण उनकी पीठ पर दबाव पड़ता है। वहीं कमर दर्द भी होने की संभावना रहती है। लेकिन धनुरासन के अभ्यास से बच्चों की कमर में मजबूती आती है। उनके हाथ और पीठ में भी दर्द से राहत मिलती है और शरीर में लचीलापन आता है। धनुरासन योग पेट की मांसपेशियों को मजबूत कर सकता है। साथ ही यह भूख भी बढ़ा सकता है। अवसाद और चिंता को दूर करने के लिए योग जैसे धनुरासन लाभदायक हो सकता है।

हंसना मना है

मुर्गी : एक अंडा देना, शॉपकीपर : अंडा तो तुम देती हो, मुर्गी : हॉ पर मेरे पति ने कहा है की 4 रु. के लिए क्यों अपना फिगर खराब कर रही हो!

जब किसी घर में बच्चा पैदा होता है, तो मां कहती है : इसकी नाक तो मुझ पर गयी है, बाप बोलता है : इसकी आंखे मुझ पर गयी हैं, चाचा : इसके बाल मुझ पर गए हैं, और वही बच्चा जवान होकर जब लड़की छेड़ता है, तो सब बोलते है, पता नहीं किस पर गया है।

एक दिन संता अपनी भाभी को पीट रहा था, राह चलते लोगो ने पूछा क्यों मार रहे हो इस बेचारी को? संता बोला : मेरी भाभी अच्छी औरत नहीं है, लोगो ने पूछा : क्यों क्या हुआ? संता बोला : यार मेरे सभी दोस्त मोबाइल पर लगे रहते है, और जिसे भी पुछू तुम लोग किस से बात कर रहे हो? तो सब बोलते है तेरे भाभी से।

पप्पू (अपनी मां से)- मां, मैं जीवन में आगे बढ़ने के लिए क्या करूं? मां- पत्थर ले और सबसे पहले ये मोबाइल फोड़...!!

कहानी | नेवला और ब्राह्मण की पत्नी

एक गांव में देवदत नाम का ब्राह्मण अपनी पत्नी देव कन्या के साथ रहता था। उन दोनों की कोई संतान नहीं थी। कुछ वर्षों के बाद उनके घर प्यारे से बच्चे ने जन्म लिया। पत्नी अपने बच्चे को बहुत प्यार करती थी। एक दिन देव कन्या को अपने घर के बाहर नेवले का छोटा-सा बच्चा मिला। उसे देखकर देव कन्या को उस पर दया आ गई और वो उसे घर के अंदर ले गई और उसे अपने बच्चे की तरह ही पालने लगी। पत्नी बच्चे और नेवले दोनों को अक्सर पति के जाने के बाद घर में अकेला छोड़कर काम से चली जाती थी। नेवला इस दौरान बच्चे का पूरा ख्याल रखता था। दोनों के बीच का अपार स्नेह देखकर देव कन्या बहुत खुश थी। अचानक पत्नी के मन में हुआ कि कही यह नेवला मेरे बच्चे को नुकसान न पहुंचा दे। आखिर जानवर ही तो है और जानवर की बुद्धि का कोई भरोसा नहीं कर सकता। एक दिन ब्राह्मण अपने काम से बाहर गया हुआ था। पति के जाते ही देव कन्या भी अपने बच्चे को घर में अकेला छोड़कर बाहर चली गई। इसी बीच उनके घर में एक सांप घुस आया। इधर बच्चा आराम से सो रहा था। पास में ही नेवला भी था। जैसे ही नेवले ने सांप को देखा, तो वो सतर्क हो गया। नेवला तेजी से सांप की ओर लपका और दोनों के बीच काफी देर तक लड़ाई हुई। आखिर में नेवले ने सांप को मारकर बच्चे की जान बचा ली। सांप को मारने के बाद नेवला आराम से घर के आंगन में बैठ गया। इसी बीच देव कन्या घर लौट आई। जैसे ही उसने नेवले के मुंह को देखा, तो वह डर गई। नेवले का मुंह सांप के खून से लतपत था, लेकिन इस बात से अनजान देव कन्या ने मन में कुछ और ही सोच लिया। वो गुस्से से कांपने लगी। उसे लगा कि नेवले ने उसके प्यारे बेटे की हत्या कर दी है। पत्नी ने एक लाठी उठाई और उस नेवले को मार डाला। और अपने बच्चे को देखने के लिए घर के अंदर तेजी से भागी। वहां बच्चा हंसते हुए खिलौनों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान उसकी नजर पास में मरे पड़े सांप पर गई। देव कन्या को बहुत पछतावा हुआ। वो भी नेवले से बहुत प्यार करती थी, लेकिन गुस्से और अपने बच्चे के मोह में उसने बिना कुछ सोचे समझे नेवले को मार दिया था। उसी समय ब्राह्मण भी घर लौट आया। वह पत्नी की रोने की आवाज सुनकर दौड़ता हुआ घर के अंदर गया। उसने पूछा, देव कन्या तुम क्यों रो रही हो, ऐसा क्या हो गया। उसने अपने पति को सारी कहानी सुना दी। नेवले की मौत की बात सुनकर ब्राह्मण देवदत को बहुत दुख हुआ। दुखी मन से ब्राह्मण ने कहा, तुम्हें बच्चे को घर में अकेले छोड़कर जाने और अविश्वास का दण्ड मिला है।

7 अंतर खोजें

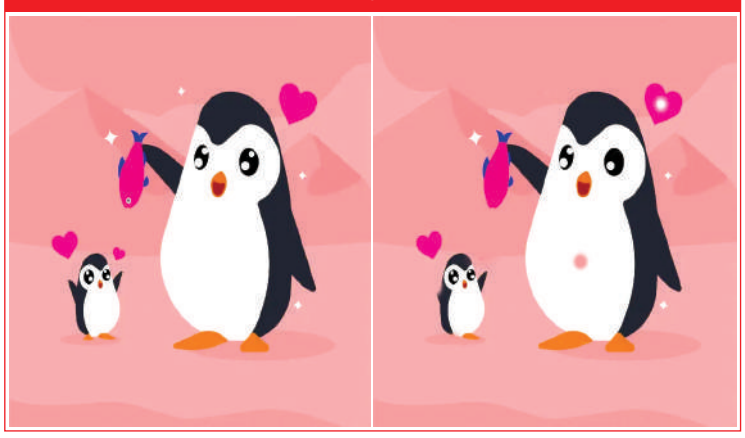

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। समय अच्छा व्यतीत होगा।

सिंह

विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

कन्या

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृश्चिक

दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

धनु

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है।

मकर

वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है।

मीन

बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

सरोगसी के लगाव और घाव की अतरंगी कहानी दिखाएगी दुकान

फिल्म राइटर सिद्धार्थ और गरिमा अब डायरेक्टर बन गए हैं, फिल्म दुकान से दोनों डायरेक्शन की फील्ड में डेब्यू कर रहे हैं। उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म दुकान का ट्रेलर भी आज रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म की कहानी सेरोगेसी पर आधारित होगी। ट्रेलर देखकर जहां एक तरफ आप हंस-हंस कर लोट पोट होंगे तो वहीं दूसरी तरफ फिल्म आपको सरोगसी के बढ़ते व्यापार के बारे में सोचने के लिए मजबूर कर देगी।

दुकान के दो मिनट 39 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत मोनिका पंवार के किरदार जैस्मीन से होती है जो एक बच्चे से बात करते हुए नजर आती है। वो कहती है हमारी लव स्टोरी एक ट्रायएंगल है। आगे ट्रेलर में सरोगसी के व्यापर की कहानी को उन महिलाओं के माध्यम से दिखाया जाने वाला है जो पैसों के लिए सरोगसी करती हैं। इस जटिल मुद्दे को सिकंदर खेर, मोनिका पंवार, मोनाली ठाकुर, हिमानी शिवपुरे और सोहम मजूमदा जैसे कलाकारों की मदद से कॉमेडी के साथ पेश किया जाने वाला है।

एनिमल के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने आज बुधवार को इस फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया है। फिल्म के

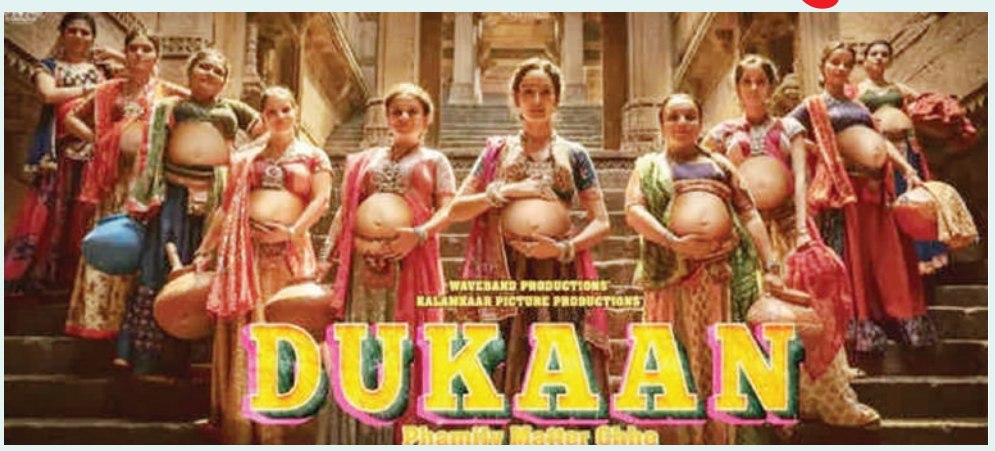

ट्रेलर में हम देख सकते हैं कि सेरोगेरी के बढ़ते अवैध व्यापार को किस तरह से दिखाया गया है। जहां एक गुजरात के एक गांव की कई महिलाएं एक साथ नजर आ रही हैं।

सिद्धार्थ-गरिमा के डायरेक्शन में बनी फिल्म दुकान को अमर झुनझुनावाला और शिखा अहलूवालिया ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म इसी साल 5 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दुकान के ट्रेलर रिलीज से पहले सिद्धार्थ-गरिमा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर फिल्म के बारे में बताया था। उन्होंने लिखा था, दुकान प्यार का फल है, एक सफर जो चुनौतियों से भरा था। इस फिल्म का निर्माण अपने आप में एक जीत है। उम्मीद, भरोसा और मजबूती की जीत। सपने देखने और भरोसा करने वाले हर किसी की जीत। डायरेक्टर ने आगे लिखा था, स्क्रिप्ट से फिल्म तक, सपने से हकीकत तक, डर से भरोसे तक और यहां हम से आप तक है। बस एक बात- लगे रहो, एक दिन तुम्हें यह मिल जाएगा! आप सभी को शुक्रिया जो साथ खड़े रहे और उन सभी को भी शुक्रिया जो ऐसा नहीं कर सके।

मनारा चोपड़ा ने दिखायी अपने जख्मों की झलक

बिग बॉस-17 से घर-घर में मशहूर हुईं एक्ट्रेस मनारा चोपड़ा अब शो खत्म होने के बाद भी लगातार खबरों में बनी हुई हैं। हालांकि, शो के बाद से अब तक मनारा बिग बॉस के घर में मिले अपने जख्मों से उबरने की कोशिश ही कर रही हैं। अब एक्ट्रेस से सोशल मीडिया पर उन जख्मों की झलक दिखाई है, जो उन्हें बिग बॉस में मिर्ची टास्क के दौरान मिले थे।

हालांकि, एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें शो के दौरान मिली चोटें अब ठीक होने लगी हैं।

मनारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने हाथ और पैरों की एक फोटो भी शेयर की थी। इसके साथ उन्होंने लिखा कि मंदिर की तस्वीरें वायरल होने के बाद बहुत लोग उनसे मिर्ची टाक्स के बारे में सवाल कर रहे हैं। इसीलिए वह अब ये फोटोज शेयर कर रही हैं। ये जख्म उन्हें इसी टास्क की वजह मिले, जो अब धीरे-धीरे ठीक होने लगे हैं। इन फोटोज में मनारा के पैरों और हाथों पर मिर्ची की वजह से जले हुए से निशान हो गए हैं। अब एक्ट्रेस की ये फोटोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल होने लगी हैं। मनारा के चाहने वालों ने उन्हें हौसला देते हुए उनकी खूब तारीफ की है। वहीं, कई लोगों ने उनके जल्द ठीक होने की कामना की है। हालांकि, कई लोगों ने इसे मनारा का ड्रामा भी बताया है। कुछ यूजर्स ने तो उन्हें ड्रामा क्वीन का टैग भी दे दिया है।

गौरतलब है कि बिग बॉस 17 में फिनाले से कुछ कदम की दूरी पर एक टास्क दिया गया था, जिसमें 2 टीमें बनाई गई थीं। हर टीम को अपनी टर्न के टाइम पर एक बजर को पकड़कर रखना था, वहीं, दूसरी टीम को उन्हें उनकी जगह से हटाने की कोशिश करनी थी।

बॉलीवुड | खुश खबरी

जल्द ही मम्मी-पापा बनेंगे दीपिका और रणवीर सिंह

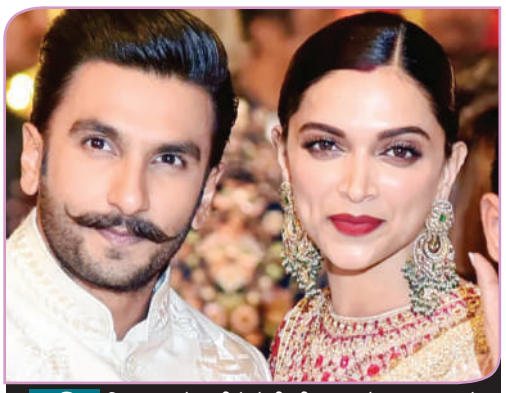

दीपिका पादुकोण की प्रेग्नेंसी की अफवाहें लगातार सुनने को मिल रही है। पिछले कुछ समय से कयास लगाए जा रहे हैं कि एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं और पहले बच्चे के स्वागत की तैयारी कर रही हैं। वहीं, अब दीपिका पादुकोण ने इन अफवाहों पर चुप्पी तोड़ते हुए ऐसा खुलासा कर दिया है कि तहलका मचा दिया है। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अब तक प्रेग्नेंसी को लेकर चुप्पी साधे रखी थी। पब्लिक अपीरियंस के दौरान भी एक्ट्रेस अक्सर ढीले-ढाले कपड़ों में ही नजर आईं। हालांकि, अब उन्होंने खुद दुनिया को अपने मन की बात बता दी है। दीपिका पादुकोण ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में एक कार्ड बना हुआ है, जिस पर बच्चों के कपड़े, खिलौने और जूतों की इमेज बनी हुई है। इसके साथ ही दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह का नाम लिखा हुआ। एक्ट्रेस के पोस्ट में सबसे ज्यादा ध्यान इस पर लिखी तारीख ने खींचा। कपल के नाम के ऊपर सितंबर 2024 लिखा हुआ। वहीं, कैप्शन में बना कुछ कहे दीपिका ने शुक्रिया अदा करने वाली और नजर न लगने वाली इमोजी बनाई। दीपिका पादुकोण ने ये पोस्ट प्रेग्नेंसी की खबरों के बीच शेयर किया है। ऐसे में उनका पोस्ट इशारा कर रहा है कि एक्ट्रेस ने सितंबर 2024 को अपनी डिलीवरी डेट बताई है। अगर ये सच है, तो इसका मतलब है कि दीपिका पादुकोण अभी दो महीने की प्रेग्नेंट है और मीडिया में एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी को लेकर आ रही खबर भी सच थी। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने नवंबर 2018 में शादी की थी। अब कपल पांच साल बाद कपल पैरेंट्स बनने जा रहा है। हालांकि, इस बात का अभी दावा ने किया जा सकता है, क्योंकि दीपिका ने पोस्ट के कैप्शन में कुछ साफ तौर नहीं कहा है, इसलिए उनकी प्रेगनेंसी का दावा नहीं किया जा सकता है, क्योंकि कई बार सेलेब्स सिर्फ पब्लिसिटी के लिए भी ऐसा कदम उठाते हैं। अब सच क्या है, आने वाले समय में इस बात से पर्दा उठ ही जाएगा।

खाने के मामले में चीन को पछाड़ता है ये कबीला, बंदर की खोपड़ी है पसंद

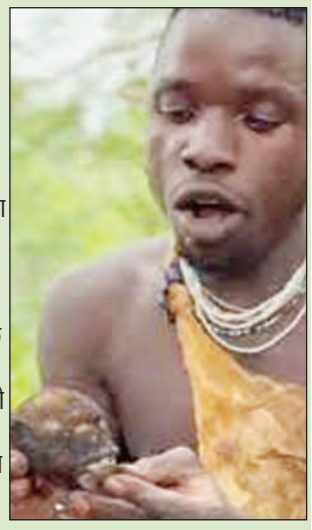

दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जिनके बारे में जानकर हैरत होती है। विचित्र परंपराओं से लेकर अजीब खान-पान की वजह से ये बाकी दुनिया से अलग होते हैं। इनमें से किसी जनजाति के लोग सुंदर दिखने की चाह में होंठों के बीच बड़े-बड़े गोलाकार छल्ले लगा लेते हैं, तो कई लोग मौत के बाद अपने परिजनों को ही जलाकर खा जाते हैं। अजीबोगरीब खान-पान के लिए दुनिया में पहचाना जाने वाले चीन को भी ये लोग पछाड़ देते हैं। आज ऐसी ही एक जनजाति का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दाल-भात की तरह ये लोग बंदर की खोपड़ी खाते दिखाई दे रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे एक शख्स बंदर की खोपड़ी को आग में पकाकर खा रहा है। इस वीडियो को देखकर आपको घिन आ सकती है, लेकिन इसे खा रहे शख्स को देखेंगे तो पता चलेगा कि वो बड़े शौक से इसे खा रहा है। सोशल मीडिया पर ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है। ये शख्स हदज़ाबे जनजाति से जुड़ा है।

बता दें कि हदज़ाबे जनजाति के लोग मूल रुप से तंजानिया में रहते हैं। इनकी जनसंख्या महज 12 सौ से 15 सौ के बीच ही है। इन्हें धरती पर अंतिम शेष शिकारी जनजातियों में से एक माना जाता है। हालांकि, ये बहुत मिलनसार स्वभाव के होते हैं। अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। बात अब इस वीडियो की करें तो इसे अब तक 4 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वहीं, 7 लाख 85 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक किया है, जबकि 15 लाख बार इस वीडियो शेयर किया गया है।

अजब-गजब | इस मछली की आवाज बंदूक की गोली से भी है तेज

मिल गई दुनिया की सबसे छोटी मछली, जो है नारवून के बराबर

धरती पर एक से एक रहस्यमयी जीव हैं, जिनके बारे में जानकर हम चकित रह जाते हैं। अब वैज्ञानिकों को दुनिया की सबसे छोटी मछली मिली है, जिसकी चौड़ाई वयस्क मानव के नाखून के बराबर है। लेकिन आवाज सुनकर आप भी कांप उठेंगे। पिद्दी सी दिखने वाली यह मछली बंदूक की गोली से भी तेज आवाज निकालती है। कोई भी इसे सुनकर कांप उठेगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, बर्लिन के वैज्ञानिकों को म्यांमार की नदियों में एक अनोखी मछली नजर आई। डेनियोनेला सेरेब्रम नाम की यह मछली सिर्फ 12 मिलीमीटर लंबी है और पूरी तरह पारदर्शी नजर आती है। लेकिन पिद्दी सी यह मछली 140 डेसिबल से अधिक तेज आवाज निकाल सकती है। यह आवाज बंदूक की गोली, एंबुलेंस सायरन और जैक हैमर से भी तेज है। आमतौर पर ये माना जाता है कि जानवर जितना बड़ा होगा, उसकी आवाज भी उतनी ही ज्यादा होगी, लेकिन वैज्ञानिकों के मुताबिक, अपने आकार के हिसाब से यह अब तक पाई गई सबसे तेज आवाज वाली मछली है। जलीय जीवों में सबसे

तेज आवाज पिस्तौल झींगा की मानी जाती है, जो लगभग 200 डेसिबल तक आवाज निकाल सकता है। ऐसा वह शिकार को डराने के लिए करता है।

वैज्ञानिकों ने जब इसे देखा तो उठाकर बर्लिन ले आए, और रिसर्च के दौरान उन्हें अजीब चीज नजर आई। पीएनएएस जर्नल में पब्लिश रिसर्च की मुख्य लेखक वेरिटी कुक ने कहा, डेनियोनेला सेरेब्रम की आवाज इतनी तेज है कि मछली के टैंकों के पास से अगर आप गुजरें तो आवाज सुनकर डर जाएंगे। यह असाधारण है, क्योंकि मछलियां बहुत छोटी हैं और आवाज बहुत तेज। पहले तो उन्हें समझ ही नहीं आया कि इतनी तेज आवाज कहां से आ रही है। फिर जब उन्होंने माइक्रोफोन और हाई-स्पीड वीडियो रिकॉर्डिंग का उपयोग किया तो मछलियों की आवाज समझ आ गई। मछलियों की आवाज का ज्यादातर हिस्सा पानी में वापस परावर्तित हो जाता है। इसलिए जब आज मछली के टैंकों के पास खड़े होते हैं, तो पानी में कंपन देख सकते हैं। कुक ने कहा, मुझे इस आकार का कोई दूसरा जानवर नहीं मिला जो इतनी तेज आवाज निकालता हो।

कुक के मुताबिक, हड्डी वाली सभी मछलियों में एक तैरने वाला मूत्राशय होता है। एक गैस से भरा अंग जो उन्हें पानी के नीचे रहने में मदद करता है। कई मछलियां ध्वनि उत्पन्न करने के लिए इस मूत्राशय पर ड्रम बजाने के लिए अपनी मांसपेशियों का उपयोग करती हैं लेकिन डैनियोनेला इनसे कई कदम आगे है। यह अपनी मांसपेशियों को सिकोड़ती है, तो ये पसलियों को खींचती हैं, जिससे मांसपेशियों के अंदर हड्डी से टकराती है। वहीं से आवाज निकलती है। खास बात, इस मछली में केवल नर ही आवाज निकालते हैं। मादा मछलियां ऐसा नहीं करतीं। हो सकता है कि म्यांमार की नदियों में जो पानी है, उसकी वजह से इन मछलियों में यह प्रवृत्ति पैदा हुई हो।

आने वाला समय मध्य प्रदेश का है : प्रणव अडानी

» उज्जैन में चल रही क्षेत्रीय उद्योग कॉन्क्लेव में अडानी समूह ने की कई घोषणाएं

» कई परियोजनाओं में करेंगे हजारों करोड़ का निवेश

» उज्जैन से भोपाल तक बनेगा महाकाल एक्सप्रेस-वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अडानी समूह के प्रणव अडानी ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का हृदय है और मुझे यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि आने वाला समय, मध्यप्रदेश का है। वह उज्जैन में चल रही क्षेत्रीय उद्योग कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह देवों के देव भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में आकर सुखद महसूस कर रहे हैं।

श्री अडानी ने कहा कि आज के इस गरिमामय और महत्वपूर्ण आयोजन के अवसर पर मैं सर्वप्रथम प्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव , आपका और आपकी टीम का दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। आपने सबको देवों के देव भगवान महाकाल की धरती पर आने का सुखद अवसर, इस इनवेस्टर समिट के माध्यम से प्रदान किया है। मैं उज्जैन की देवभूमि को प्रणाम करता हूं। भगवान कृष्ण के द्वारा पांच हजार साल पहले दिया गया गीता का ज्ञान, आज भी हम सबका मार्गदर्शन कर रहा है। भगवान कृष्ण ने भी अपनी शिक्षा इसी उज्जैन के सांदिपनी आश्रम में आकर ग्रहण की थी। मध्यप्रदेश देश का हृदय है और मुझे यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि आने वाला समय, मध्यप्रदेश का है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस राष्ट्र को परम वैभव के शिखर पर ले जाने के लिए मेहनत कर रहें हैं। यह साफ दिखाई दे रहा है कि इस संकल्प को पूरा करने के लिए डा. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इस अवसर प्रणव अडानी ने कहा कि मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण मध्य प्रदेश के लिए महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं में परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि सीएम के निर्णायक और प्रेरक नेतृत्व में, यह राज्य परिवर्तन, औद्योगिक विकास और सभी के लिए समृद्धि के अपने मिशन पर तेजी से आगे बढ़ेगा।

प्रदेश में निवेश को लेकर काफी उत्साहित

अडानी ने कहा हम सब देश के व्यापारिक समुदाय के विश्वास को साझा करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा हम सब मिलकर मध्य प्रदेश के लिए पहले से कहीं अधिक विकास और समृद्धि के लिए काम करेंगे। यहां हमारे देश के कुछ सबसे प्रतिभाशाली उद्योग जगत हस्तियां मौजूद हैं। ये टीम मध्य प्रदेश को भारत के मुख्य प्रदेश में बदलने के आपके दृष्टिकोण पर काम करेगी। आपकी सरकार क्षेत्रीय नीतियों, योजनाओं और सुधारों को आगे बढ़ा रही है उसे देखते हुए यह स्पष्ट है कि मध्य प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। मैं विशेष रूप से ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर में विकास की अनंत संभावनाएं देखता हूं और अडानी समूह मध्य प्रदेश में निवेश को लेकर काफी उत्साहित है। मध्य प्रदेश में हमारी उपस्थिति कई क्षेत्रों तक फैली हुई है जिसमें सड़क, सीमेंट और प्राकृतिक संसाधनों से लेकर थर्मल पावर, रिन्यूएबल एनर्जी और पावर ट्रांसमिशन जैसे सेक्टर शामिल है।

प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र में भी करेंगे पूंजी निवेश

प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र में अडानी समूह 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगा और खाद्य प्रसंस्करण, कृषि-रसद, लॉजिस्टिक्स और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में अपना विस्तार करने के लिए 600 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। ईंधन वितरण में हमारा निवेश, जिसमें सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन, बायो, लिक्विफाइड नेचुरल गैस, इलेक्ट्रिक व्हीकल शामिल हैं जो 2 हजार 100 करोड़ रुपये से अधिक होगा, जिसका बड़ा हिस्सा भिंड, बुरहानपुर, अनुपपुर, टीकमगढ़ और अलीराजपुर में हमारे शहरी गैस वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए उपयोग किया जाएगा।

राज्य में करेंगे लगभग 75 हजार करोड़ रुपये का निवेश

राज्य में हमारा कुमुलेटिव इन्वेस्टमेंट लगभग 18 हजार करोड़ रुपये है और हमने राज्य भर में लगभग 11 हजार रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अदाणी समूह इन क्षेत्रों में निवेश जारी रखेगा साथ ही हम मध्य प्रदेश में अपने निवेश को दोगुना से अधिक करेंगे और राज्य के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान देंगे।श्री अडानी ने कहा कि वह मध्य प्रदेश में लगभग 75 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगें। इसमें से 5 हजार करोड़ रुपये का उपयोग उज्जैन से इंदौर होते हुए भोपाल तक महाकाल एक्सप्रेस-वे बनाने में किया जाएगा। हम, चोरगाडी में 40 लाख टन प्रति वर्ष की क्लिंकर यूनिट, देवास और भोपाल में 80 लाख टन प्रति वर्ष की संयुक्त क्षमता वाले दो सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट स्थापित करेगें और इसके लिए 5 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। .

सिंगरौली में बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ाएंगे

अडानी समूह का सबसे बड़ा निवेश राज्य की किफायती बिजली तक पहुंच बढ़ाने में होगा। सिंगरौली में अपने महान एनर्जेन संयंत्र में बिजली उत्पादन क्षमता को मौजूदा 1 हजार 200 मेगावाट से बढ़ाकर 4 हजार 400 मेगावाट करने के लिए करीब 30 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। हम 3 हजार 410 मेगावाट क्षमता की पंप स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित करने के लिए करीब 28 हजार करोड़ रुपये का निवेश भी करेंगे। कुल मिलाकर, लगभग 75 हजार करोड़ रुपये का हमारा कुल नियोजित निवेश, पूरे मध्य प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में 15 हजार से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

बारिश के साथ शुरू हुआ मार्च, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मार्च की शुरुआत मौसमी बदलाव के साथ होने जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले एक हफ्ते तक एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता जारी रह सकती है, ऐसे में प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, आंधी-बिजली के आसार हैं। शुक्रवार से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर बारिश, गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक या दो स्थानों पर भी गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

चार मार्च तक पूरे उत्तर प्रदेश में ऐसा ही मौसम रह सकता है। इस दौरान 30 से 40 किमी की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती है। बिजली गिरने की चेतावनी भी मौसम विभाग ने दी है। इस दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान में उतार-चढ़ाव भी जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने अमरोहा, बागपत, बिजनौर, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर व आसपास बादल गरजने, बिजली गिरने और 30-40 किमी की रफ्तार से हवा चलने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

कांग्रेस व मुझसे डरते हैं सीएम हिमंत : बोरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा उनसे डरते हैं जैसा कि उनके मेरे और मेरे परिवार के प्रति कटु व्यवहार से स्पष्ट है। बोरा ने दावा किया कि उसके भाई और भाभी, दोनों सरकारी कर्मचारी, को राज्य के विपरीत कोनों में स्थानांतरित कर दिया गया था। पीसीसी प्रमुख ने कहा कि जनवरी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उन पर हमला होने के बाद उन्होंने सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन अभी तक उन्हें सुरक्षा नहीं मिली है।

पीसीसी प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि जिन लोगों ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान मुझ पर शारीरिक हमला किया, उन्हें खुला घूमने दिया जा रहा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया,ऐसे राज्य में जहां असहमति की कविता लिखने या तीखा ट्वीट लिखने से आपको गिरफ्तार किया जा सकता है, बस कल्पना करें कि एक हमलावर दुनिया की परवाह किए बिना खुलेआम घूम रहे है! उन्होंने कहा कि %कटुता भय का प्रतीक है! मुझे यकीन है कि अगर असम में कोई एक व्यक्ति है जिससे हिमंत बिस्वा सरमा सचमुच डरते है, तो वह मैं हूं। क्यों? क्योंकि मेरे और मेरे परिवार के प्रति उसका कटु व्यवहार उसके आंतरिक भय को उजागर करता है। अनुयायी पसंद नहीं हैं, उसे गुलाम पसंद हैं। कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री यहां-वहां कुछ विधायकों को खरीद सकते हैं, लेकिन वह मुझे नहीं खरीद सकते। मेरे और मेरे परिवार के प्रति उनके कटु व्यवहार को देखिए। उन्होंने मेरे भाई और भाभी, दोनों सरकारी कर्मचारियों, को असम के दो विपरीत कोनों में स्थानांतरित कर दिया। इसलिए, यह कहना सुरक्षित है।

एक परिवार के डायनिंग रूम में लिए जाते है सभी फैसले : हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह परिवार केंद्रित पार्टी है, जिसका एजेंडा 'एक परिवार के डायनिंग रूम (भोजन करने के कक्ष)' में तय होता है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर भाजपा कार्यकर्ताओं से बनी एक लोकतांत्रिक पार्टी है। शर्मा ने बारपेटा जिले के चकचका में पार्टी के एक कार्यालय के उद्घाटन समारोह में कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं से बनी लोकतांत्रिक पार्टी है। लेकिन अगर आप कांग्रेस या अन्य पार्टियों को देखें तो ये पार्टियां कार्यकर्ताओं से नहीं बनीं बल्कि अपने नेताओं और परिवारों पर केंद्रित हैं। फैसले परिवार के एक डायनिंग रूम में लिए जाते हैं और कार्यकर्ताओं को बस उनका अनुसरण करना होता है। परिवार की आवश्यकता के अनुरूप पार्टी का एजेंडा और विचारधारा बदल दी जाती है।

केएल राहुल बाहर, बुमराह की हुई वापसी

» धर्मशाला टेस्ट के लिए भारतीय टीम का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट मैच के लिए बीसीसीआई ने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। वहीं इस स्क्वॉड में केएल राहुल नहीं हैं जबकि जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है। दरअसल, केएल राहुल चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट से भी बाहर हो गए हैं।

बीसीसीआई की मेडिकल टीम केएल राहुल पर कड़ी निगरानी रख रही है। साथ ही उनकी समस्या के आगे के प्रबंधन के लिए लंदन में विशेषज्ञों के साथ बातचीत भी कर रही है। वहीं बुमराह को रांची टेस्ट में आराम दिया गया था। जिसके बाद वो 7 मार्च को मैदान पर वापसी करेंगे। इसके साथ ही स्पिन गेंदबाज वॉशिंगटन सुंदर को टीम से रिलीज कर दिया गया है।

वह 2 मार्च 2024 से मुंबई के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मुकाबले के लिए अपनी रणजी ट्रॉफी टीम तमिलनाडु में शामिल होंगे। जरूरत पड़ने पर वह पांचवें टेस्ट के लिए घरेलू मैच पूरा होने के बाद भारतीय टीम में शामिल हो सकते हैं।

निकोलस पूरन को एलएसजी ने सौंपी उपकप्तानी

आईपीएल 2024 का 22 मार्च से आगाज हो रहा है। टूर्नामेंट का पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट के लिए सभी टीमों ने तैयारी लगभग पूरी कर ली है। वहीं इस सिलसिले में लखनऊ ने एक अहम घोषणा की है। जहां वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस पूरन को उपकप्तान बनाया। लखनऊ ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। लखनऊ ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें केएल राहुल के साथ निकोलस पूरन नजर आ रहे हैं। साथ ही टीम ने कैप्शन में लिखा है कि, पूरन को उपकप्तान बनाया गया है। निकोलस पूरन लखनऊ के साथ 2023 से हैं। इससे पहले वे पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस की टीम से रह चुके हैं। लखनऊ ने पूरन को 16 करोड़ रुपए में खरीदा है। इसके बाद उन्हें 2024 में रीटेन किया जाएगा। पूरन ने 2022 में हैदराबाद के साथ थे, हैदराबाद ने उन्हें 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। निकोलस पूरन अनुभवी खिलाड़ी हैं। वे आईपीएल में अभी तक 62 मैच खेल चुके हैं, इस दौरान उन्होंने 1270 रन बनाए हैं। पूरन ने टूर्नामेंट में 6 अर्धशतक भी लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 77 रन रहा है। वे बॉलिंग में भी हाथ आजमा चुके हैं। पूरन ने आईपीएल में 6 विकेट भी लिए हैं। अगर उनके इंटरनेशनल करियर को देखें तो वह भी प्रभावी रहा है। पूरन ने 80 टी-20 मैचों में 1848 रन बनाए हैं। इस दौरान 11 अर्धशतक लगाए हैं।

किसान आंदोलन के 17 दिन पूरे, अब भी नहीं चेती सरकार

» शंभू बॉर्डर पर भारी भीड़, रिटायर्ड फौजी, व्यापारी व अन्य राज्यों के लोगों का किसानों को समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजपुरा। पंजाब-हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर एमएसपी खरीद के गारंटी कानून सहित अन्य मांगों को लेकर चल रहे किसान आंदोलन के 17 दिन पूरे हो गए हैं। बुधवार देर रात्रि एफआईआर दर्ज होने के बाद पटियाला के राजिन्द्रा अस्पताल में डॉक्टरों के बोर्ड ने खनौरी बॉर्डर पर शहीद शुभकरण के शव का पोस्टमार्टम किया और बठिंडा के गांव बल्लो में किसानों द्वारा श्रद्धांजलि देकर अंतिम संस्कार किया गया। इसके चलते गुरुवार सारा दिन शंभू बॉर्डर पर गहमा-गहमी रही व भारी भीड़ पहुंची। इतना ही नहीं महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग भी केंद्र व हरियाणा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए।

शंभू बॉर्डर पर ही गुरुवार को रिटायर्ड फौजी, आढ़ती, व्यापारी व अन्य प्रदेशों से भी लोग पहुंचे। किसानों के परिवारों से पहुंची महिलाओं के जोश में कोई कमी नहीं दिखी अपने हाथों में माइक पकड़कर जहां केंद्र व हरियाणा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करती दिखीं वहीं लोगों को जागरूक करने के लिए किसानों द्वारा मांगी जा रही एमएसपी व अन्य मांगों के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी देती रहीं उनके इस संघर्ष में बच्चे भी नारेबाजी करते नजर आए।

नर्स भी शंभू बॉर्डर पर जख्मी किसानों की कर रही है सेवा

शंभू बॉर्डर पर ही हादसे में घायल होने के बाद भी नर्स हीना जख्मी किसानों की सेवा करती नजर आ रही है। हीना ने बताया कि वह पेशे से जलंधर में स्टाफ नर्स हैं थोड़े दिन पहले दुर्घटना हो गई थी, जिससे उनके घुटने में चोट आ गई और वह पूरी तरह चल फिर नहीं सकतीं। इसके बावजूद भी वह किसानों के धरने में पिछले 17 दिनों से अपने साथियों के साथ दवाएं भी साथ लेकर आई हैं जो किसानों की सेवा को ही अपना धर्म समझती हैं।

हरियाणा के जिला जींद में शुभकरण को लगी थी गोली एफआईआर से खुलासा

किसानी आंदोलन में 21 फरवरी को नौजवान शुभकर्ण को हरियाणा के जिला जींद के गढ़ी में सिर में गोली लगी थी। यह खुलासा इस मामले में बुधवार देर रात पटियाला पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर में हुआ है। पिता चरनजीत सिंह की ओर से पातड़ां पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक बेटा शुभकरण उनसे केवल पांच कदम आगे था, जब हरियाणा की तरफ से चलाई गोली उसके सिर में पीछे की तरफ लगी। गोली लगते ही वह नीचे गिर गया और तुरंत ही उसे एंबुलेंस में डालकर अस्पताल ले जाया गया। लेकिन एक घंटे के बाद ही उन्हें सूचना मिली कि शुभकरण की मौत हो गई है।

मणिपुर में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के तीन सदस्य गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। पिछले साल मई में पहली बार दो समुदायों के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से मणिपुर में बार-बार हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। हिंसा की घटनाओं में अब तक कुल मिलाकर 219 लोग जान गंवा चुके हैं। मणिपुर पुलिस ने इंफाल वेस्ट जिले से प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी-एन के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से हथियार तथा गोला-बारूद बरामद किए हैं।

एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि उनके पास से पांच मोबाइल फोन और चार लाख रुपये भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि इस बात का संदेह है कि उनके पास से जो हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं वे पूर्व में सुरक्षा बलों से लूटे गए थे। पुलिस नियंत्रण कक्ष की ओर से जारी बयान में कहा गया कि प्रतिबंधित संगठन केसीपी-एन के गिरफ्तार सदस्यों की पहचान एल एलिन, हेरिश माइबम और बेला ओइनम के रूप में की गई। उसने कहा कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

बीजेपी यूपी में सहयोगियों को देगी लोकसभा की छह सीटें

» झारखंड में 1, असम में 3 सीटें बांटेगी भाजपा

» उप्र में अपना दल और रालोद के लिए 2-2 और एक-एक सीट निषाद व सुभासपा को देने पर बनी सहमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव नजदीक आते ही बीजेपी तैयारियों में जुट गई है। ज्यादातर राज्यों में बीजेपी और सहयोगी दलों में सीटों का फॉर्मूला तय हो गया है। इस बात पर सहमति बन गई है कि बीजेपी अपने सहयोगियों को कितनी सीटें देगी।

उत्तर प्रदेश, झारखंड और असम में बीजेपी का सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारा तय हो गया है। हरियाणा में बीजेपी सभी दस सीटों पर चुनाव लड़ेगी, वहां पर दुष्यंत चौटाला के साथ समझौता नहीं हुआ है। यूपी में बीजेपी एनडीए में अपने सहयोगियों के लिए 6 सीटे छोड़ेगी। अपना दल और आरएलडी के लिए 2-2 और एक-एक सीट निषाद पार्टी और ओमप्रकाश राजभर की पार्टी को देने पर सहमति बनी है। असम में बीजेपी अपने सहयोगितों को तीन सीटें देगी, 2 सीट एजीपी और एक सीट यूपीपीएल के लिए छोड़ी जाएंगी।

बिहार-महाराष्ट्र में अभी भी सीट शेयरिंग फॉर्मूले पर चल रही बात

बिहार में अभी जेडीयू, चिराग़ पासवान की एलजेपी(रामविलास), पशुपति पारस की एलजेपी(राष्ट्रीय) , उपेन्द्र कुशवाह और जीतनराम मांझी के साथ सीट शेयरिंग पर फाइनल बातचीत होना अभी बाकी है। महाराष्ट्र में शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी के साथ भी सीट शेयरिंग पर फाइनल बातचीत अभी चल रही है। अभी बिहार और महाराष्ट्र में सीटों का बंटवारा फाइनल नहीं हुआ है।

जाति जनगणना रिपोर्ट अवैज्ञानिक नहीं : हेगड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। जाति जनगणना रिपोर्ट ने कर्नाटक में राजनीतिक हलकों और समुदायों में हलचल पैदा कर दी है और लिंगायत समुदाय ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और सरकार से दस्तावेज़ को स्वीकार नहीं करने की मांग की है। लिंगायत समुदाय ने सीएम को रिपोर्ट स्वीकार करने पर राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी भी दी है क्योंकि रिपोर्ट में कई खामियां हैं।

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के.जयप्रकाश हेगड़े ने कहा कि यह रिपोर्ट 2014-15 में राज्य भर के जिलों के संबंधित उपायुक्तों के नेतृत्व में 1.33 लाख शिक्षकों सहित 1.60 लाख अधिकारियों द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई थी। उन्होंने कहा, जब डेटा एकत्र किया गया था तब एच कंथाराजू अध्यक्ष थे और वह कुछ तकनीकी मुद्दों के कारण रिपोर्ट जमा नहीं कर सके।

फोटो: सुमित कुमार

तैयारी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार की अगुवाई में चुनाव आयोग की एक टीम तीन दिवसीय दौरे पर गुरुवार को लखनऊ पहुंची। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि आयोग की 13 सदस्यीय टीम ने अपने दौरे के पहले दिन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए जरूरी संसाधनों की व्यवस्थाओं पर चर्चा की इसके अलावा टीम ने राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक भी की। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग की टीम ने सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक-एक करके वार्ता की। इस दौरान टीम ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), कांग्रेस, सपा, अपना दल (सोनेलाल), बीएसपी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के प्रतिनिधियों से बातचीत की।

महाराष्ट्र में विपक्षियों की सीटों पर बनी बात

उद्धव सेना 21 , कांग्रेस 15 व एनसीपी 9 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सूत्रों से खबर मिल रही है कि आगामी लोकसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) के 21 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है, जबकि कांग्रेस 15 सीटों पर लड़ सकती है और एनसीपी के शरद पवार गुट को नौ सीटें मिल सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सीट-बंटवारे के समझौते पर पहुंच गया है। सूत्रों ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के 21 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है, जबकि कांग्रेस 15 सीटों पर लड़ सकती है और एनसीपी के शरद पवार गुट को नौ सीटें मिल सकती हैं।

सूत्रों ने बताया कि प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली पार्टी वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) दो सीटों पर चुनाव लड़ेगी और राजू शेट्टी के स्वाभिमानी पक्ष को एक सीट मिल सकती है।

आपको बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी -शरदचंद्र पवार के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को दो मार्च को बारामती के उनके दौरे में अपने आवास पर भोजन के लिए आमंत्रित किया है। शिंदे, फडणवीस और अजित पवार पुणे जिले के बारामती शहर में स्थित विद्या प्रतिष्ठान कॉलेज परिसर में एक रोजगार मेला, नमो महारोजगार मेलावा में शिरकत करेंगे। राकांपा में फूट के बाद शरद पवार ने पहली बार शिंदे और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को सार्वजनिक रूप से आमंत्रित किया है।

शिंदे, फडणवीस और अजित पवार को भेजे गए निमंत्रण (28 फरवरी को लिखे पत्र के एक हिस्से) में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह और बारामती से सांसद उनकी बेटी सुप्रिया सुले सांसदों के नाते इस सरकारी कार्यक्रम का हिस्सा बनना चाहेंगे। इस तरह की अटकलें हैं कि राकांपा में विभाजन के बाद अजित पवार लोकसभा चुनाव में बारामती संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवारी पर विचार कर रहे हैं जहां से उनकी चचेरी बहन सुले सांसद हैं।

शिंदे को लिखे पत्र में राज्यसभा सदस्य ने कहा कि विद्या प्रतिष्ठान के अध्यक्ष के रूप में उन्हें शैक्षणिक संस्थान के परिसर में मुख्यमंत्री का स्वागत करने में खुशी होगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।